अमर उजाला 20/04/2026

मिट्टी की नमी कर लेंगे कैद नहीं हो पाएगा वाष्पीकरण

सीएसए का शस्य विभाग इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम पर कर रहा काम

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का शस्य विभाग इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम (आईएफएस) पर काम कर रहा है। इस तकनीक से मिट्टी की नमी को कैद करके उसे वाष्पीकृत नहीं होने दिया जाएगा। इससे सूखा पड़ने पर भी मिट्टी में नमी बनी रहेगी और पौधों को नुकसान नहीं होने पाएगा।

वहीं पेड़ों की पत्तियों से प्राप्त जैविक अर्क का छिड़काव फसलों पर किया जा रहा है, जिससे कीटों का प्रभाव कम होता है और फसल सुरक्षित रहती है। यह तकनीक विशेष रूप से बुंदेलखंड जैसे सूखा प्रभावित क्षेत्रों के लिए उपयोगी मानी जा रही है। विभागाध्यक्ष डॉ. एमजेड सिद्दीकी ने बताया कि क्लाइमेटिक स्मार्ट आईएफएस का मॉड्यूल तैयार किया गया है जिसमें डेयरी को भी शामिल किया गया है।

पशुओं से मिलने वाले बायो प्रोडक्ट्स ग्रीन हाउस गैसों को कम करने में सहायक हैं। इसके अलावा मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए हाइड्रो जेल का उपयोग किया जा रहा है जिसे भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान दिल्ली ने विकसित किया है। इसका छिड़काव करने पर जेल में मौजूद जल-अवशोषक रसायन मिट्टी की नमी को सोखकर उसे वाष्पित होने से रोक देता है। (ब्यूरो)